2009-10 वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT

पी.एस.बी.

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹ ॥

ਪੰਜਾਬ ਏਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ

(भारत सरकार का उपक्रम) (ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਅਦਾਰਾ)

Punjab & Sind Bank

(A Government of India Undertaking)

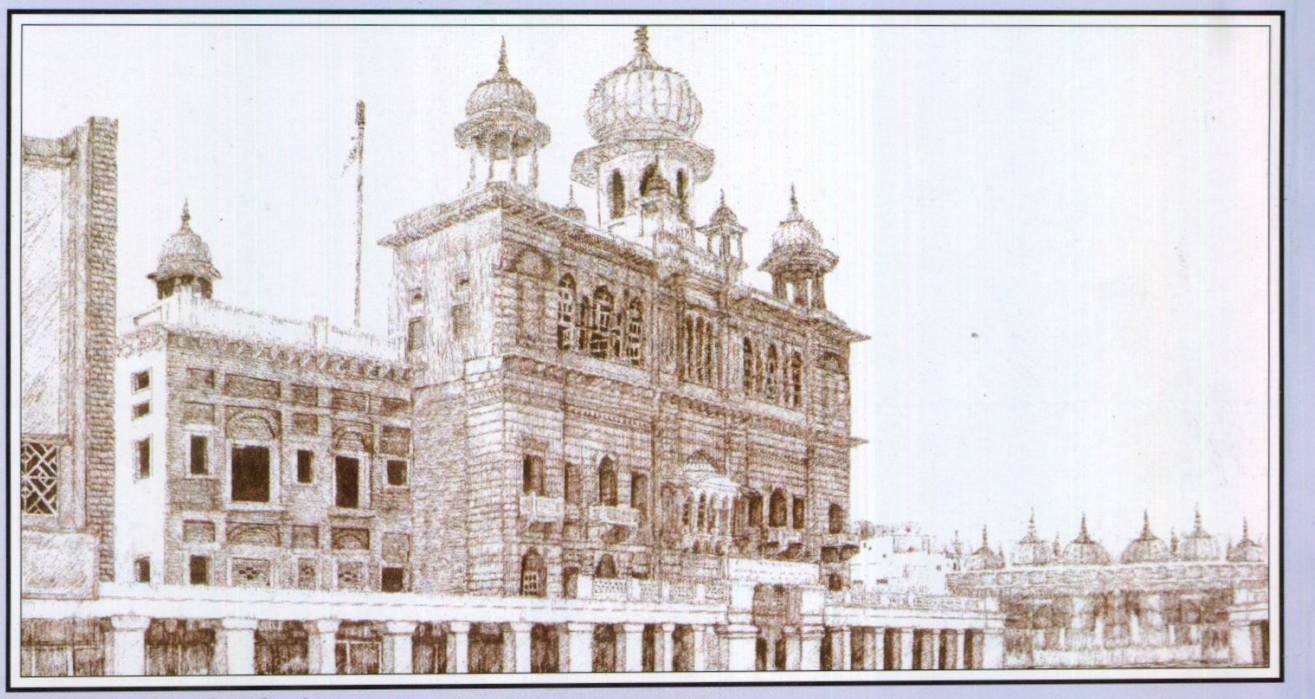

गुरूद्वारा सीसगंज साहिब–दिल्ली / Gurudwara Sisganj Sahib-Delhi

विषय सूची / CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य / Highlights 2

निदेशक–मंडल / Board of Directors 3

महाप्रबंधक / General Managers 3

कार्य–निष्पादन सूचक / Performance Indicators 4

निदेशक–मंडल का प्रतिवेदन / Directors' Report 5

तुलन–पत्र / Balance Sheet 22

लाभ–हानि खाता / Profit & Loss Account 23

अनुसूचियां / Schedules 24

लेखा–परीक्षकों का प्रतिवेदन / Auditors' Report 63

बेसल–II / Basel-II 66

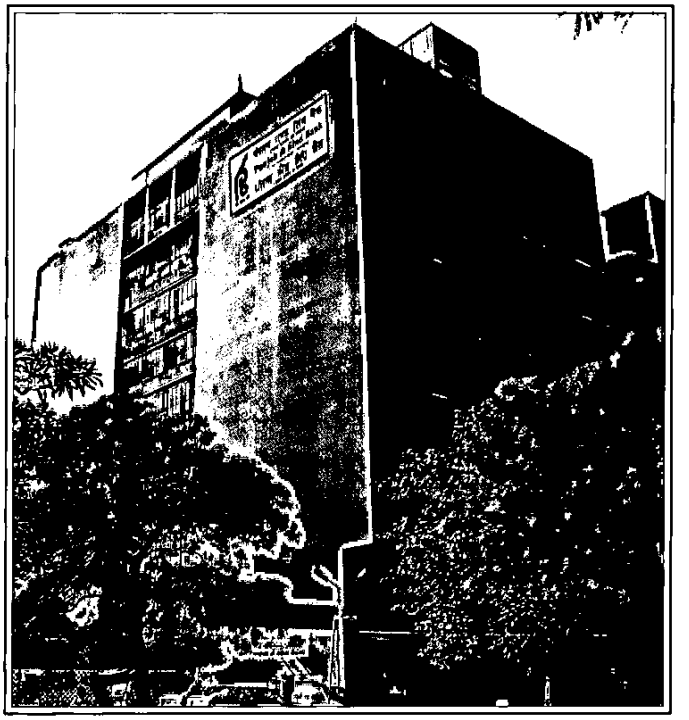

प्र. का. राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली / H.O. Rajendra Place, New Delhi

उल्लेखनीय तथ्य / HIGHLIGHTS

	रुपए (लाखों में)/Rs. (in lacs) यथा/as on 31-03-2010
शुद्ध लाभ Net Profit	50880
जमा Deposits	4915509
अग्रिम (बी.एस.) Advances (B.S.)	3263911
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Priority Sector Advances	1075380
निवेश (बी.एस.) Investments (B.S.)	1788684
आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Assets (%)	1.05
शुद्ध एनपीए अनुपात (%) Net NPA Ratio (%)	0.36
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%) (बेसल–I) Capital Adequacy Ratio (%) (Basel-I)	11.74
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%) (बेसल–II) Capital Adequacy Ratio (%) (Basel-II)	13.10

24 जून, 1908 से राष्ट्र की सेवा में समर्पित **Serving the Nation since 24th June, 1908**

प्रधान कार्यालय : "बैंक हाउस", 21 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110008

Head Office : 'Bank House', 21, Rajendra Place, New Delhi-110008
Visit us at : www.psbindia.com

निदेशक मंडल / Board of Directors

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

स. जी. एस. वेदी
S. G. S. Vedi

कार्यकारी निदेशक
Executive Director

श्री पी. के. आनन्द
Sh. P. K. Anand

निदेशक
Directors

श्री ए. भट्टाचार्य
Sh. A. Bhattacharya

श्री ए. के. सुराना
Sh. A. K. Surana

श्री हरि चन्द बहादुर सिंह
Sh. Hari Chand Bahadur Singh

श्री आर. सदानन्दम
Sh. R. Sadanandam

श्री एम. वी. एस. प्रसाद
Sh. M. V. S. Prasad

श्री संदीप घोष
Sh. Sandip Ghose

श्री कृष्ण मुरारी गंगावत
Sh. Krishan Murari Gangawat

महाप्रबंधक
General Managers

स. जी. एस. रेखी
मुख्य महाप्रबंधक
S. G. S. Rekhi
Chief General Manager

स. पी. एस. घावरी
S. P. S. Ghawri

स. के. एस. सचदेवा
S. K. S. Suchdeva

स. जी. एस. मलिक
S. G. S. Malik

श्री दिनेश कुमार गुप्ता
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Sh. Dinesh Kumar Gupta
Chief Vigilance Officer

स. एच. एस मक्कड़
S. H. S. Makker

स. जे. एस. कोचर
S. J. S. Kochar

स. एम. एस. सोढी
S. M. S. Sodhi

स. एच. पी. सिंह
S. H. P. Singh

स. एच. एस. लाम्बा
S. H. S. Lamba

स. जी. एस. बिन्द्रा
S. G. S. Bindra

स. गुरचरन सिंह
S. Gurcharan Singh

स. मंजीत सिंह
S. Manjit Singh

लेखा परीक्षक
Auditors

एस. लाल एण्ड कं.
S. Lall & Co.

भाटिया एण्ड भाटिया
Bhatia & Bhatia

बंसल सिन्हा एण्ड कं.
Bansal Sinha & Co.

अलका एण्ड सुनील
Alka & Sunil

बलराम चन्द्रा एण्ड एसोसिएट्स
Balram Chandra & Associates

कार्य–निष्पादन सूचक/Performance Indicators

बैंक ने व्यवसाय में 37.93% की वृद्धि प्राप्त की।

Bank achieved 37.93% growth in business.

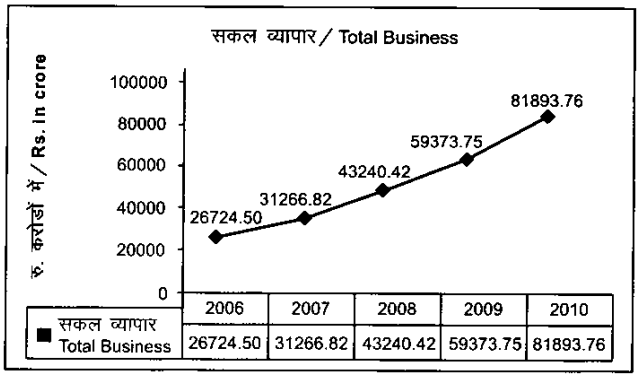

बैंक ने परिचालन तथा शुद्ध लाभ में क्रमशः 21.60 % तथा 18% की वृद्धि प्राप्त की।

Operating & net profit of the Bank have registered a growth of 21.60% & 18% respectively.

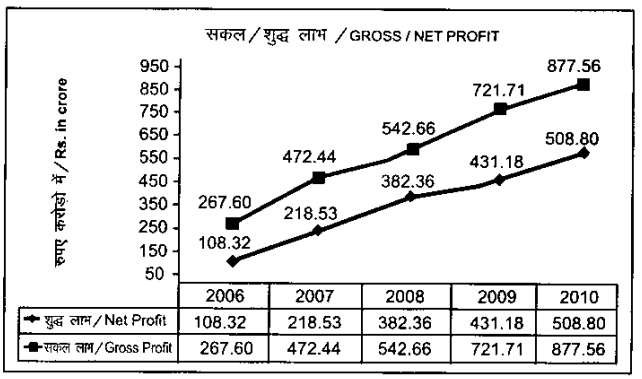

विगत कुछ वर्षों से एन.पी.ए. प्रतिशत के स्तर में कमी आ रही है। उद्योग में सकल एन.पी.ए. निम्न स्तर पर है।

Percentage of NPA levels declining over the past few years. Gross NPA lowest in the Industry.

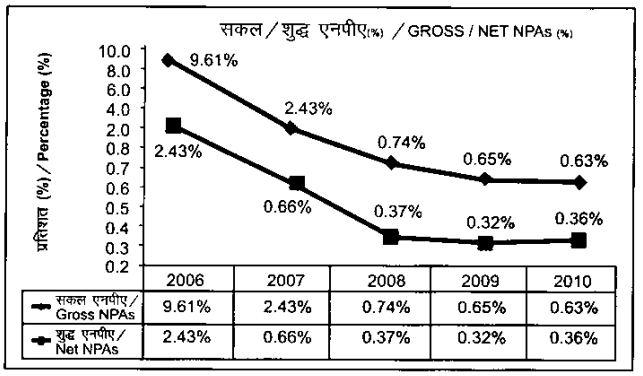

विगत कुछ वर्षों से व्यापार तथा प्रति कर्मचारी लाभ में लगातार सुधार हो रहा है।

Consistent improvement in business & profit per employee over the last few years.

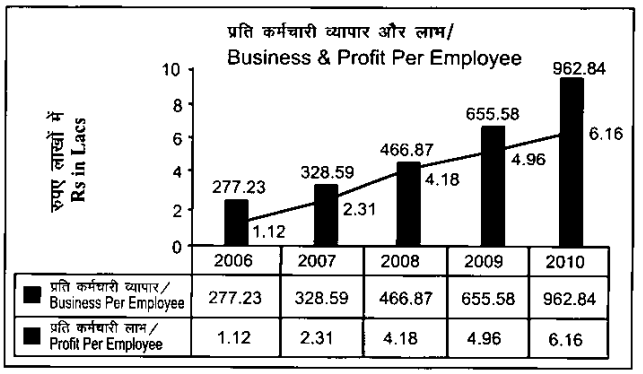

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 2009–10

निदेशक मंडल 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट, तुलन–पत्र और लाभ–हानि खाते को प्रस्तुत करते हुए हर्ष का अनुभव करता है।

आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 2008–09 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक मंदी के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था ने अनेक उतार–चढ़ाव महसूस किए। विगत तीन वित्तीय वर्षों में औसतन 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के उपरान्त अन्तर्राष्ट्रीय मंदी के कारण वर्ष 2008–09 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद अपेक्षाकृत 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा। हालांकि वर्ष 2009–10 जटिल अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य को लेकर प्रारम्भ हुआ किंतु विश्व अर्थव्यवस्था ने सुधार के संकेत देने शुरू कर दिए, जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई जो कि अन्तर्राष्ट्रीय मानकों की अपेक्षा प्रभावी थी।

भारतीय अर्थव्यवस्था उन्नति के पथ पर अग्रसर है। अक्तूबर, 2009 से निर्यात में वृद्धि हो रही है, जिसकी भविष्य में भी जारी रहने की सम्भावना है। औद्योगिक क्षेत्र में भी व्यापक वृद्धि आधार बने हुए हैं और घरेलू और बाहरी मांग की बढ़त की पृष्ठभूमि में आगे भी पुख्ता होने की सम्भावना है। सेवा–क्षेत्र के विभिन्न अग्रणी संकेतक भी सतत् आर्थिक गतिविधि का संकेत देते हैं।

अर्थव्यवस्था के विकास में आई गिरावट की स्थिति में तेज़ी से सुधार हो रहा है, किंतु मुद्रा स्फीति की स्थिति में बदलाव चिंताजनक बने हुए हैं। डब्ल्यू.पी.आई. में वर्ष दर–वर्ष अन्तर, जो सितम्बर 2009 में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2010 में 9.9 प्रतिशत हो गए हैं, जो भारतीय रिज़र्व बैंक की तृतीय तिमाही समीक्षा में मार्च 2010 के लिए 8.5 प्रतिशत की मूल अवधारणा से अधिक है।

आरम्भिक मुद्रा स्थिति दबाव मुख्यतः खाद्यान्न एवं ईंधन मूल्यों में वृद्धि से अभिप्रेरित था, जो कि निरन्तर आपूर्ति दबावों से युक्त वर्ष के दूसरे उत्तरार्द्ध में आपूर्ति के निरन्तर दबावों से कृषि उत्पादों पर न्यून मानसून का परिचायक है। यह स्थिति गैर–खाद्यान विनिर्माण उत्पादों में मंदी में तेज़ी से मुद्रा स्फीति की नवम्बर 2009 में –0.4 प्रतिशत से मार्च 2010 में 4.7 प्रतिशत की स्थिति से यह साबित हो जाता है।

आर्थिक बदलाव के चलते सुदृढ़ उपायों से युक्त इन मुद्रा स्फीति स्थितियों नें मुद्रा स्फीति प्रत्याशाओं पर ध्यान केन्द्रित कर भारतीय रिज़र्व बैंक की नीति में बदलाव के लिए विवश किया।

आर्थिक कार्यकलापों में मजबूत सुधार की पृष्ठभूमि में व्यापक धन (एम–3) में वृद्धि तथा निजी क्षेत्र में ऋण प्रवाह वर्ष 2009–10 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की सूच्य अभिकल्पनाओं से अधिक रहा। एक ओर जहां जनवरी 2010 की तीसरी तिमाही नीति समीक्षा में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नकद तरलता अनुपात में वृद्धि से अतिरिक्त नकदी में कतिपय सुधार हुआ, वहीं कुल मिलाकर नकदी की स्थिति संतोषजनक रही।

DIRECTORS' REPORT 2009-10

The Board of Directors takes pleasure in presenting the Bank's Annual Report, the Balance-Sheet and Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 2010.

ECONOMIC SCENARIO

The Indian economy experienced moderation during the year 2008-09 in the wake of the global economic slowdown. India's GDP grew by a relatively modest rate of 6.7% in 2008-09 due to global slowdown after registering an average 9% growth in the previous three financial years. Though 2009-10 began with a difficult global scenario but the world economy started showing sign of recovery due to which Indian economy was also continued to grow by over 7% which was impressive by global standards.

The Indian Economy is firmly on the recovery path. Exports have been expanding since October 2009, a trend that is expected to continue. The industrial sector recovery is increasingly broad-based and is expected to take firmer hold going forward on the back of rising domestic and external demand. Various lead indicators of service sector activity also suggest increased economic activity.

The economy is recovering rapidly from the growth slowdown but the developments on the inflationary front are worrisome. The headline inflation, as measured by year-on-year variation in WPI, accelerated from 0.5% in September 2009 to 9.9% in March 2010, exceeding RBI's baseline projection of 8.5% for March 2010 set out in the third quarter review.

The initial inflationary pressure was predominantly conditioned by rising food & fuel prices, reflecting the impact of a deficient monsoon on agricultural output and the increase in international crude prices. In the second half of the year, with persistent supply side pressures, inflation became increasingly generalized. This is evident from the acceleration of inflation in non-food manufactured products from -0.4% in November 2009 to 4.7% in March 2010.

These inflationary conditions, coupled with the stronger momentum seen in the pace of economic recovery, created the compelling ground for altering the Reserve Bank's policy focus to anchoring inflation expectations.

Reflecting the stronger recovery in economic activities, growth in broad money (M3) and flow of credit to private sector exceeded the RBI's indicative projections for 2009-10. While the increase in CRR affected by the RBI in its Third Quarter Policy Review of January 2010 led to some moderation in excess liquidity, overall liquidity conditions remain comfortable.

बैंकिंग प्रणाली में सरकार को धन का प्रवाह वर्ष के दौरान मौद्रिक विस्तार का मुख्य स्रोत रहा। वाणिज्यिक क्षेत्र को संसाधनों के प्रवाह में बैंक के साथ–साथ गैर–बैंक स्रोतों से विशेष सुधार आया।

प्रगति के पथ पर, स्थिति में सुधार तथा मुद्रा स्फीति के बढ़ते स्तर के फलस्वरूप धन की मांग में तेज़ी से वृद्धि आ सकती है।

कुल मिलाकर वर्ष 2009–10 की दूसरी तिमाही के आस–पास शुरू हुए आर्थिक बदलाव ने अब निरंतर सुधारों को परिलक्षित किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा प्रदर्शित यह तीव्र विकास अपनी आंतरिक शक्ति का घोतक है ।

The banking system's credit to the Govt. was the prime driver of monetary expansion during the year. The flow of resources to commercial sector distinctly improved from both bank as well as non-bank sources.

Going forward, the demand for money may increase with acceleration in recovery and the elevated level of inflation.

On the whole, the economic recovery, which began around the second quarter of 2009-10, has since shown sustained improvement. This fast growth displayed by the Indian Economy is indicative of its inherent strength.

वर्ष 2009–10 में बैंक का कार्य–निष्पादन

वर्ष 2009–10 के दौरान बैंक ने चौतरफा उन्नति की। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान बैंक के कार्य निष्पादन की प्रमुख बातें निम्न प्रकार से हैं :–

BANK'S PERFORMANCE IN 2009-10

During the year 2009-10, the Bank made significant all-round progress. The highlights of the Bank's performance during the year, as compared to those of the previous year are as under:-

मूल वित्तीय संकेतकों के अंतर्गत कार्य निष्पादन

PERFORMANCE UNDER KEY FINANCIAL INDICATORS

(रुपये लाखों में / Rs. in Lacs)

विवरण / Particulars	वर्ष की समाप्ति पर / Year Ended		प्रतिशत बदलाव %age change
	31.03.2010	31.03.2009	
ब्याज आय / Interest Income	393418	324717	21.16%
अन्य आय / Other Income	41180	40769	1.01%
कुल आय / Total Income	434598	365486	18.91%
कुल व्यय / Total Expenditure	346842	293315	18.25%
परिचालन लाभ / Operating Profit	87756	72171	21.60%
शुद्ध लाभ / Net Profit	50880	43118	18.00%
आस्तियों पर प्रतिफल / Return on Assets	1.05%	1.24%	-
शुद्ध ब्याज मार्जिन (एन आई एम) / Net Interest Margin (NIM)	2.44%	2.91%	-
सकल अनर्जक आस्तियां / Gross NPAs (%)	0.63%	0.65%	-
शुद्ध अनर्जक आस्तियां / Net NPAs (%)	0.36%	0.32%	-
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल I) / Capital Adequacy Ratio (%)(Basel I)	11.74%	11.88%	-
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल II) / Capital Adequacy Ratio (%) (Basel II)	13.10%	14.35%	-
ईपीएस / EPS	26.98	7.31	-

पूंजी एवं आरक्षित राशि

बैंक की प्रदत्त पूंजी बिना किसी परिवर्तन के निम्नानुसार दिए गए विस्तृत विवरण के अनुसार 383.06 करोड़ रही।

CAPITAL & RESERVES

The Paid-up Capital of the Bank remained unchanged at Rs.383.06 crore as detailed below:

(राशि करोड़ो में)

विवरण	यथा 31.03.2010	यथा 31.03.2009
प्रदत्त पूंजी	183.06	183.06
बेमियादी गैर संचयी अधिमान शेयर (पीएनसीपीएस)	200.00	200.00
कुल	383.06	383.06

31.03.2009 को बैंक की शुद्ध मालियत 1634.33 करोड़ रुपए थी जो कि 31.03.2010 को बढ़कर 2128.23 करोड़ रुपए हो गई।

बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल-II) 31.03.2010 को 13.10% रहा जबकि इसके लिए न्यूनतम निर्धारित आवश्यकता कोर सी.आर.ए.आर. 7.68% के साथ 9% है। वर्ष के दौरान बैंक द्वारा 375.00 करोड़ रुपए के प्रतिदेय, अपरिवर्तनीय व गौण (टीयर-II) बांड जारी किए गए।

(Amount in Crore)

Particulars	As on 31.03.2010	As on 31.03.2009
Equity Capital	183.06	183.06
Perpetual Non-cumulative Preference Shares (PNCPS)	200.00	200.00
Total	383.06	383.06

The Net Worth of the Bank has improved from Rs.1634.33 crore as on 31.03.2009 to Rs. 2128.23 crore as on 31.03.2010.

The Capital Adequacy Ratio (Basel II) of the Bank is 13.10% as on 31.03.2010 against the minimum stipulated requirement of 9% with core CRAR at 7.68%. During the year, the Bank issued redeemable, non-convertible subordinated (Tier-II) Bonds for Rs.375.00 crore.

सकल व्यापार

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान 81,000 करोड़ रुपए से अधिक का औसत व्यवसाय कर एक अन्य मील के पत्थर को छुआ है। वर्ष 2009–2010 के अंत में बैंक के कुल व्यवसाय में 22520.01 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है तथा यह 59373.75 करोड से बढ़कर 81893.76 करोड़ रुपए हो गया है जो कि 37.93% की वृद्धि को दर्शाता है।

TOTAL BUSINESS

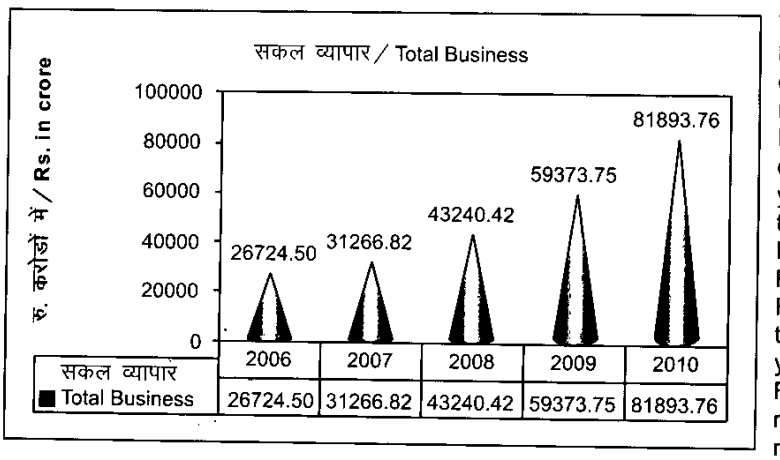

The aggregate business of the Bank crossed another milestone mark of Rs.81,000 crore during the financial year 2009-10. The total business of the Bank increased by Rs.22520.01 crore to Rs.81893.76 crore at the end of the year 2009-10, from Rs.59373.75 crore, recording a growth rate of 37.93%.

लाभ

बैंक का रिकार्ड शुद्ध लाभ 18% की वृद्धि दर्ज करते हुए इस वर्ष 508.80 करोड़ रुपये हो गया जो कि पिछले वर्ष 2008–09 के दौरान 431.18 करोड़ रुपये था। बैंक के परिचालन लाभ में 21.60% की वृद्धि दर्ज की गई जो कि वर्ष 2008–09 के 721.71 करोड़ रुपए की तुलना में इस वर्ष 877.56 करोड़ रुपए रहा।

PROFITS

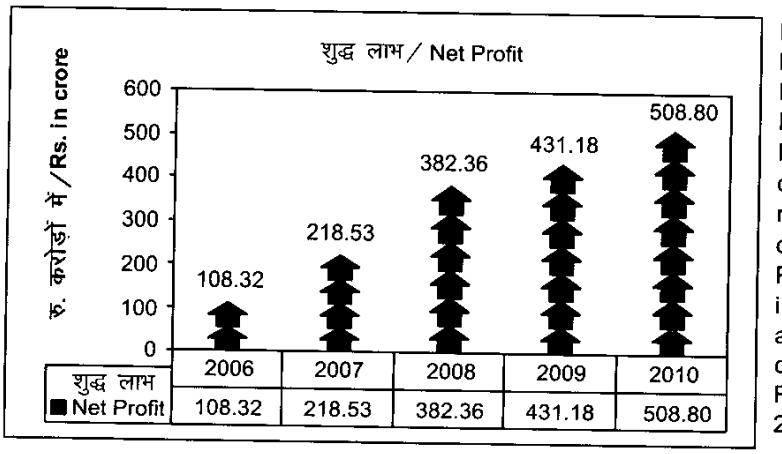

During the year, Bank has posted a record Net Profit of Rs.508.80 crore from Rs.431.18 crore during 2008-09, registering a growth of 18%. Operating Profit of the Bank increased by 21.60% at Rs.877.56 crore in comparison to Rs.721.71 crore in 2008-09.

जमा राशि

बैंक की कुल जमा राशि में 41.76% की वृद्धि दर्ज की गई जिससे शुद्ध अभिवृद्धि 14479.44 करोड़ रुपए होने से 31 मार्च 2010 को यह 49155.09 करोड़ रुपए हो गई, जो कि 31 मार्च 2009 को 34675.65 करोड़ रुपए थी। बैंक की जमा–राशियों की औसत लागत पिछले वर्ष की 7.08% की तुलना में 6.32% रही।

DEPOSITS

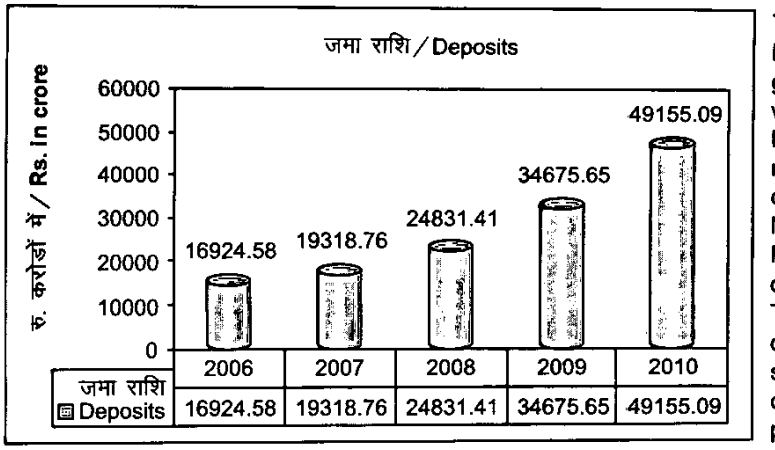

Total deposits of the Bank registered a growth of 41.76% with net accretion of Rs.14479.44 crore, to reach Rs.49155.09 crore as on March 31, 2010 from Rs.34675.65 crore as on March 31, 2009. The average cost of deposit of the Bank stood at 6.32% compared to 7.08% in previous year.

अग्रिम

दिनांक 31.03.2009 के कुल 24698.10 करोड़ रुपए के अग्रिम में 32.56% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिनांक 31.03.2010 को बैंक के कुल अग्रिम 32738.67 करोड़ रुपए हो गए। अग्रिमों पर औसत प्रतिफल पिछले वर्ष के 11.79% की तुलना मे दिनांक 31.03.2010 को 10.45% हो गया।

ADVANCES

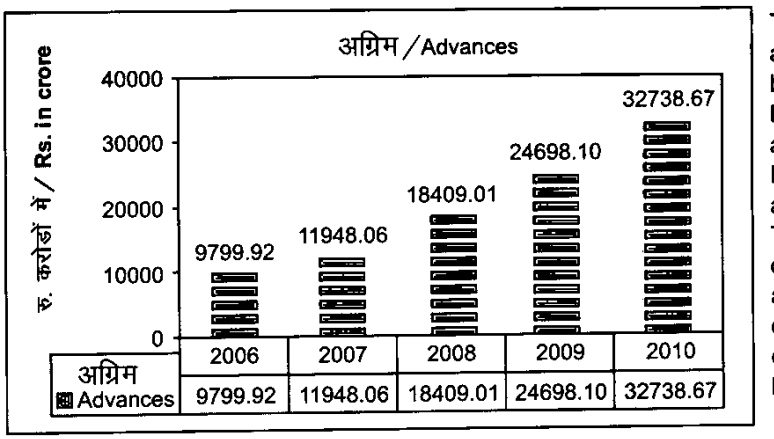

The Bank's overall advances increased by 32.56% from Rs.24698.10 crore as on 31.03.2009 to Rs. 32738.67 crore as on 31.03.2010. The average yield on advances stood at 10.45% as on 31.03.2010 compared to 11.79% last year.

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम

बैंक के दिनांक 31.03.2009 के प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 7388.41 करोड़ रुपए से दिनांक 31.03.2010 को 10753.80 करोड़ रुपए हो गए जो कि समायोजित शुद्ध बैंक ऋणों हेतु 40% के राष्ट्रीय लक्ष्य की तुलना में 43.54% हैं। वर्ष 2009–10 में प्राथमिकता क्षेत्र के सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हैं। विभिन्न ग्रामीण विकास और ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रम बैंक के प्रमुख महत्त्व वाले क्षेत्र रहे। हमारा बैंक काश्तकार और अलिखित पट्टेदार किसानों सहित लघु एवं सीमांत किसानों को 7% के सस्ते दर पर व्यापक रूप से ऋण उपलब्ध करा रहा है।

PRIORITY SECTOR ADVANCES

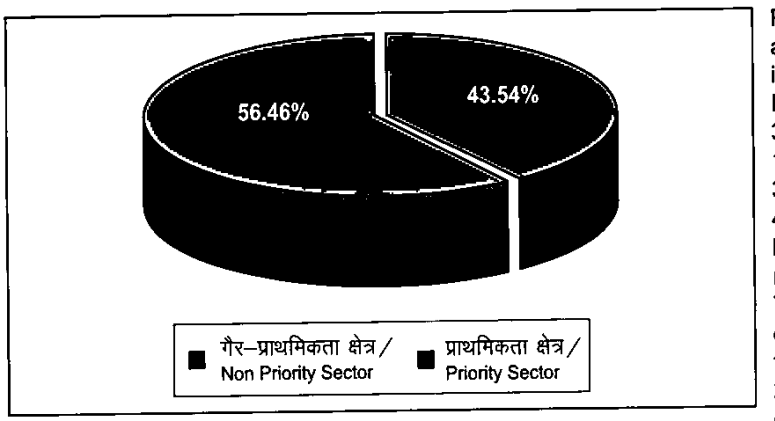

Priority Sector advances of the Bank increased from Rs.7388.41 crore as on 31.3.2009 to Rs. 10753.80 crore as on 31.3.2010, stood at 43.54% of Adjusted Net Bank Credit as against national target of 40%. The Bank has achieved overall Priority Sector targets for the year 2009-10. Various rural development and poverty alleviation programmes continued to be thrust areas during the current fiscal. Bank continued providing credit to small & marginal farmers including tenant farmers and oral lessees at cheaper interest rate of 7% p.a.